

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3345
28 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र

3345 श्री धनंजय भीमराव महादिक:

श्री मिथलेश कुमार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) भारतीय इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र कौन से हैं;
- (ख) क्या अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए शैक्षणिक संस्थानों या निजी कंपनियों के साथ कोई सहयोग किया जा रहा है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के उद्देश्य से कोई विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं हैं; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ग): इस्पात मंत्रालय लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए हितधारकों अर्थात सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं और आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थानों को "लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास संवर्धन" योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजना के अंतर्गत शामिल अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों/ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में इस्पात क्षेत्र के समक्ष आने वाली आम समस्याओं जैसे अपशिष्टों का उपयोग, दक्षता एवं उत्पादकता में सुधार, ऊर्जा खपत में कमी और उत्सर्जन में कमी आदि के समाधान के लिए नवीन प्रक्रियाओं एवं प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अनुसंधान शामिल है। उपयोगकर्ता उद्योग के साथ गठजोड़ करने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजना के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाती है।

(घ) और (ङ): इस योजना के तहत वित्तपोषित 11 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं चल रही हैं, जिनका उद्देश्य इस्पात विनिर्माण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में अकार्बनीकरण को बढ़ावा देना है। ये परियोजनाएं विभिन्न आईआईटी और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा शुरू की गई हैं।
